विधायक ने जन्मदिन पर जनसेवा को दी प्राथमिकता

रक्तदान किया, पेयजल टैंकर वितरित कर जनकल्याण शिविर में सुनीं समस्याएं

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जन्मदिन को सेवा और समाजहित से जोड़ते हुए खंडवा विधायक कंचन तन्वे ने रविवार को दिनभर विभिन्न जन कल्याणकारी कार्यक्रमों में भाग लिया। दिन की शुरुआत उन्होंने श्री दादाजी धूनीवाले महाराज के दर्शन-पूजन से की। इसके बाद सराफा बाजार स्थित प्राचीन श्री गणेश मंदिर में पूजन-अर्चन कर क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की।

इसके बाद रक्तदान कर जरूरतमंदों के लिए जीवनदान का संदेश दिया, ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट के समाधान के लिए विधायक निधि से उपलब्ध कराए गए टैंकरों का वितरण किया तथा जनकल्याण शिविर में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए उनके निराकरण के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन

कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की और जिमखाना ग्राउंड में आयोजित समर कैंप के समापन समारोह में बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद विधायक कार्यालय स्थित एनवीडीए कॉलोनी में विधायक कंचन तन्वे ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, जो किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया। इसके बाद विधायक ने ग्राम नहाल्दा में आयोजित जनकल्याण शिविर में शामिल हुईं। उन्होंने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर विभिन्न योजनाओं से जुड़े मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और सुशासन की अवधारणा को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।जन्मदिन के अवसर पर ही विधायक निधि से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट के समाधान के लिए उपलब्ध कराए गए पेयजल टैंकरों का वितरण भी किया गया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है और जनसेवा उनके जीवन का मूल उद्देश्य है। जिमखाना ग्राउंड में आयोजित बच्चों के समर कैंप के समापन कार्यक्रम में भी सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, खेल और रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का बेहतर माध्यम हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों और आयोजकों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। विधायक तंवे ने जन्मदिन पर प्राप्त शुभकामनाओं और स्नेह के लिए सभी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्री-मैच्योर डिलीवरी के बाद खुलासा

17 वर्षीय आदिवासी लड़की के साथ दुष्कर्म

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले के छैगांवमाखन थाना क्षेत्र में एक बेहद घिनौना मामला सामने आया है, जहां एक 17 वर्षीय आदिवासी किशोरी के साथ हुई दरिंदगी का खुलासा उसकी प्री-मैच्योर डिलीवरी के बाद हुआ। यह पूरी घटना तब प्रकाश में आई जब पीड़िता को पेट में असहनीय दर्द होने के कारण परिजन उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में भर्ती होने के कुछ ही देर बाद, पीड़िता ने शौचालय में एक मृत नवजात को जन्म दिया। यह गर्भ लगभग 5 से 6 महीने का था। अस्पताल के कर्मचारियों को जब इस घटना की जानकारी मिली, तो वे भी दंग रह गए और उन्होंने तुरंत इस मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में किशोरी ने अपने साथ हुए जुल्म की पूरी दास्तान बयां की। पीड़िता ने बताया कि वह आदिवासी समाज से ताल्लुक रखती है और जीविकोपार्जन के लिए बकरी चराने का काम करती थी। इसी दौरान गांव के ही रहने वाले गणेश तंवर नामक युवक ने उसे अपने जाल में फंसाया। आरोपी गणेश गांव में ही अपने पिता की चाय की दुकान संभालता था और उसका व्यवहार शुरू से ही मनचला था। आरोपी ने पीड़िता का पीछा करना शुरू किया और दोस्ती का झूठा वादा देकर उसे लगातार निशाना बनाता रहा। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे डरा-धमकाकर खेत, जंगल और कभी-कभी उसके घर पर भी उसके साथ कई बार दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि पीड़िता को इस बात का एहसास तक नहीं हुआ कि वह गर्भवती है। इस पूरी दरिंदगी के कारण उसे न केवल शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ी, बल्कि उसे मानसिक आघात का भी सामना करना पड़ रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए छैगांवमाखन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शनिवार को ही आरोपी गणेश पिता राजू तंवर (21) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे तुरंत कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने अब इस मामले की जांच का जिम्मा आजाक थाना (एट्रोसिटी) को सौंप दिया है, क्योंकि पीड़िता आदिवासी समुदाय से है और मामला बेहद गंभीर है। वर्तमान में पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है और पीड़िता के बयान तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

मोहर्रम पर्व को लेकर खंडवा पुलिस अलर्ट

ताजिया मार्गों का निरीक्षण कर आयोजकों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

नवभारत न्यूज़

खंडवा। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए खंडवा पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शहर के पदमनगर, कोतवाली और मोघट रोड थाना क्षेत्रों में ताजिया समितियों के पदाधिकारियों और आयोजकों के साथ बैठक आयोजित की गई।

इस दौरान ताजिया, आलम और सवारी के भ्रमण मार्गों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस द्वारा लगातार जनसंवाद, संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण और शांति समिति की बैठकों के माध्यम से कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

आयोजकों को शासन एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर सभी पर्वों को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) अभिनव बारंगे तथा थाना प्रभारी पदमनगर, कोतवाली और मोघट रोड ने अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर ताजिया एवं सवारी के निर्धारित मार्गों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने चौकियों और ताजिया स्थापना स्थलों का जायजा लेते हुए आयोजकों से सवारी और ताजियों के साथ शामिल होने वाले लोगों की संख्या तथा समय-सारिणी को लेकर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान सभी ताजिया समितियों और आयोजकों को आगामी पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था, शांति और सुरक्षा बनाए रखने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की अपील की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। खंडवा पुलिस ने नागरिकों से भी मोहर्रम पर्व को आपसी सद्भाव, भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने में सहयोग करने की अपील की है।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होना लोकतंत्र पर प्रहार : विभा पटेल

नवभारत न्यूज़

खंडवा। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में रविवार को गांधी भवन में कांग्रेस की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस नेताओं ने इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक मूल्यों और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के विपरीत बताया।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने बताया कि बैठक को संबोधित करते हुए भोपाल की पूर्व महापौर, महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला प्रभारी विभा पटेल ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय है। यह केवल उम्मीदवार के साथ अन्याय नहीं, बल्कि संविधान और निष्पक्ष चुनाव की अवधारणा पर भी प्रश्न खड़े करता है। जिन आधारों पर नामांकन निरस्त किया गया है, वे गंभीर कानूनी और संवैधानिक सवाल पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित निजी परिवाद में मीनाक्षी नटराजन को प्रतिवादी के रूप में दर्शाया गया है, जबकि प्रतिवादी और अभियुक्त की कानूनी स्थिति अलग होती है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 33-ए और फॉर्म-26 का उद्देश्य केवल उन मामलों की जानकारी प्राप्त करना है, जिनमें उम्मीदवार के विरुद्ध विधिवत आपराधिक कार्रवाई चल रही हो।

जन कल्याण शिविर के तीसरे दिन 98 प्रतिशत आवेदनों का निराकरण

यूसीसी हेल्प डेस्क पर नागरिकों ने दिए सुझाव एमएम

नवभारत न्यूज़

खंडवा। नगर पालिक निगम खंडवा द्वारा आयोजित जन कल्याण शिविर के तीसरे दिन विभिन्न शासकीय योजनाओं और सेवाओं से संबंधित आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर में नागरिकों को एक ही स्थान पर कई जनकल्याणकारी सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया।

प्राप्त आवेदनों के निराकरण में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज करते हुए 98 प्रतिशत मामलों का समाधान किया गया। दोपहर 12 बजे तक प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर में कुल 550 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 540 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण कर दिया गया, जबकि 10 आवेदन लंबित रहे। इस प्रकार शिविर में 98 प्रतिशत आवेदनों का निस्तारण दर्ज किया गया।शिविर में किसान क्रेडिट कार्ड योजना अंतर्गत किसान सारथ पत्र के नवीनीकरण के सर्वाधिक 294 आवेदन प्राप्त हुए। इसके अलावा जन्म प्रमाण पत्र के 94, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 65, नो ड्यूज प्रमाण पत्र के 37 तथा मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित 21 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत निर्माण श्रमिक पंजीयन के 10, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय नि:शक्त पेंशन योजना के 9, अविवादित संपत्ति हस्तांतरण के 8, विवाह पंजीयन के 7 तथा ट्रेड लाइसेंस जारी करने के 3 आवेदन प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त जन्म प्रमाण पत्र में बच्चे का नाम जोड़ने तथा मृत्यु की दशा में अनुग्रह सहायता योजना के तहत एक-एक आवेदन प्राप्त हुआ। शिविर के दौरान समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से संबंधित हेल्प डेस्क की विशेष व्यवस्था भी की गई। इस हेल्प डेस्क पर नागरिकों ने समान नागरिक संहिता को लेकर अपने सुझाव और विचार साझा किए। कई नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से भी अपने सुझाव दर्ज कराए। नगर पालिक निगम ने नागरिकों से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसे शिविरों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

पांच दिन में दूसरा तेंदुआ सड़क हादसे का शिकार

चांदगढ़ रेंज में अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले के चांदगढ़ वन परिक्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाने वाली एक और घटना सामने आई है। शनिवार रात पुनासा-सतवास (खंडवा-भोपाल हाईवे) मार्ग पर हनुमान मंदिर के समीप सड़क पार कर रहे एक वयस्क तेंदुए की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। चिंताजनक बात यह है कि पिछले पांच दिनों के भीतर इसी रेंज में तेंदुए की मौत की यह दूसरी घटना है, जिससे वन्यजीव संरक्षण और हाईवे पर वाहनों की गति नियंत्रण को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और तेंदुए के शव को अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित रखवाया। अधिकारियों ने देर रात तक घटनास्थल का निरीक्षण किया। वन विभाग के अनुसार, इंदौर से विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की टीम बुलाई गई है, जिनकी मौजूदगी में तेंदुए का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसके बाद विभागीय नियमों के तहत उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। गौरतलब है कि 9 जून को चांदगढ़ रेंज के कालादेव क्षेत्र में भी एक तेंदुए की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई थी। शनिवार रात हुई घटना पहले हादसे वाले स्थान से महज पांच किलोमीटर की दूरी पर हुई है। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने वन विभाग और पर्यावरणविदों की चिंता बढ़ा दी

है। पुनासा-सतवास मार्ग घने वन क्षेत्र से होकर गुजरता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रात के समय इस मार्ग पर भारी और तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि गर्मी और बारिश के मौसम में पानी और शिकार की तलाश में तेंदुए सक्रिय रहते हैं और सड़क पार करते समय तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आ जाते हैं। चांदगढ़ रेंज के रेंजर मोहन मंडलोई ने बताया कि प्रारंभिक जांच में प्रतीत हो रहा है कि तेंदुआ शिकार की तलाश में सड़क पार कर रहा था, तभी वह किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है तथा टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान के प्रयास भी किए जा रहे हैं। इन घटनाओं को देखते हुए वन विभाग हाईवे किनारे वन्यजीव चेतावनी संकेतक लगाने और रात में गश्त बढ़ाने पर विचार कर रहा है। वहीं पर्यावरणविदों ने वन क्षेत्रों से गुजरने वाले मार्गों पर वाहनों की गति नियंत्रित करने और वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही के लिए उपाय किए जाने की मांग उठाई है।

प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए सिंधी गौरव सम्मान समारोह 18 को

नवभारत न्यूज़

खंडवा । शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से श्रीपूज्य सिंधी पंचायत एवं सिंधी सेवा मंडली द्वारा एक विशेष सिंधी गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आगामी 18 जून, गुरुवार को शाम 6 बजे से स्थानीय सिंधु भवन सभागार में आयोजित होगा। इस आयोजन की रूपरेखा तय करने हेतु हाल ही में दोनों संस्थाओं की एक संयुक्त बैठक सिंधु भवन में संपन्न हुई।

बैठक में लिए निर्णय के अनुसार, समाज के वे विद्यार्थी जिन्होंने शैक्षणिक सत्र में कक्षा आठवीं से 12वीं तक 80त्न या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उन्हें इस सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि

लगभग 80 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को आकर्षक पिट्ठू बैग, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। श्री पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मेठाराम पिंजानी ने बताया कि इस सम्मान समारोह में विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके परिजनों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है, ताकि वे अपने बच्चों की इस उपलब्धि का हिस्सा बन सकें। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जो आयोजन की व्यवस्थाओं को संभालेंगी।

बैठक के दौरान आयोजन से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की गई और कई वरिष्ठ सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में अध्यक्ष मेठाराम पिंजानी, अनिल आरतानी, श्याम हेमवानी, संजय सभनानी, हरेश कुमार संतवानी, किशोर लालवानी, शंकरलाल आसवानी, राजेश परचानी, मूलचंद , राम वासवानी, मनोहरलाल संतवानी, द्वारकादास मोहनानी, मनोज गेलानी, जयपाल लालवानी, नारायणदास चावला, दीपक सीतलानी, अशोक नावानी, किशनचंद कोटवानी, कमल नागपाल, महेश चंदवानी, राजू तीर्थानी, राजू वाधवा तथा कार्यक्रम संयोजक मनीष कुमार मलानी सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन अनिल आरतानी एवं संजय सभनानी द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन श्याम हेमवानी ने किया।

विवाद — जमीन विवाद में वारदात को अंजाम देने की चर्चा, गांव में शोक की लहर

परिवार के इकलौते वारिस ने फांसी लगाकर दी जान

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले के छैगांवमाखन थाना क्षेत्र के ग्राम कोंडावद में 20 वर्षीय कॉलेज छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक गणेश पिता स्वर्गीय लक्ष्मण पटेल नामी पटेल परिवार का इकलौता वारिस था। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। युवक के अंतिम संस्कार में हजारों लोग शामिल हुए और परिजनों को सांत्वना दी। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह गणेश पटेल का शव गांव के बाहर स्थित उनके मकान में फंदे पर लटका मिला। बताया जाता है कि गणेश रात में उसी मकान में सोया था। सुबह एक दोस्त उसे तलाशते हुए वहां पहुंचा तो

गणेश को फांसी के फंदे पर झूलता देखकर उसके होश उड़ गए। उसने तत्काल परिवार और ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलने पर छैगांवमाखन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर फॉरेंसिक जांच कराई। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पिता का साया बचपन में उठा, मां के साथ मामा के घर पला-बढ़ा-

मृतक के पिता लक्ष्मण पटेल का करीब 20 वर्ष पहले निधन हो गया था। इसके बाद मां अपने बेटे गणेश को लेकर मायके ग्राम रोजड़ी चली गई थीं। तब से दोनों वहीं रह रहे थे। इसी वर्ष फरवरी में परिवार में आयोजित एक विवाह समारोह के दौरान मां-बेटे कोंडावद आए और यहीं रहने का निर्णय लिया। हालांकि गणेश का मामा पक्ष से लगातार संपर्क बना हुआ था और वह चार दिन पहले ही रोजड़ी से वापस लौटा था।

70 एकड़ जमीन वाले परिवार से था नाता-

जानकारी के मुताबिक, गणेश के दादा सेवकराम पटेल बड़े किसान होने के साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे हैं। उनका राजनीतिक प्रभाव पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय से माना जाता है। परिवार के पास करीब 70 एकड़ कृषि भूमि बताई जा रही है। सेवकराम पटेल के चार पुत्र हैं, जिनमें दिवंगत लक्ष्मण पटेल सबसे छोटे थे।

पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद की चर्चायें-

मृतक के मामा पक्ष ने पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद होने की बात कही है। हालांकि आत्महत्या का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

इकलौते बेटे की मौत से मां बेसुध, हजारों लोगों ने दी अंतिम विदाई

गणेश पटेल अपनी मां का इकलौता सहारा था। बेटे की असमय मौत से मां का रो-रोकर बुरा हाल है। रविवार को हुए अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीण, समाजजन और विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में इस घटना को लेकर गहरा दुख और चर्चा का माहौल है। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी हुई है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।